कानपुर, सोमवार, 05 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 9, पृष्ठः 8+4

प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड कानपुर बनेगा औद्योगिक विकास का मॉडल >Pg07

जैना पैलेस प्रकरण में रंगदारी का मुकदमा... > Pg03

मूल्यः 2 ₹

सुप्रीम कोर्ट ने कहा यूएपीए जैसे कठोर कानूनों में ट्रायल में देरी गंभीर

शरजील, उमर खालिद की जमानत पर 'सुप्रीम' इंकार

मुख्य संवाददाता/स्वराज इंडिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दीं, जबकि अन्य पांच आरोपियों को जमानत दे दी। यह फैसला न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने सुनाया। फैसला सुनाते हुए जस्टिस अरविंद कुमार ने कहा कि निर्णय विस्तृत है और केवल कुछ महत्वपूर्ण पैराग्राफ पढ़े जा रहे हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि यूएपीए जैसे कठोर कानूनों में ट्रायल में देरी एक गंभीर मुद्दा है और संविधान का अनुच्छेद 21 केंद्रीय स्थान रखता है। कोर्ट ने कहाकि शरजील-ऊपर पर लगे आरोप बेहद गंभीर प्रकृति के हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यूएपीए एक विशेष कानून है, जिसमें ट्रायल से पहले जमानत देने की शर्तें संसद द्वारा तय की गई हैं और अदालत को उसी कानूनी ढांचे के भीतर निर्णय करना होता है।गौरतलब है कि फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों को लेकर इन सभी आरोपियों को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट इनकी जमानत याचिकाएं खारिज कर चुका है। 10 दिसंबर 2025 को शीर्ष अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था। आरोपियों की तरफ से वकीलों की दलील थी कि वे पिछले करीब पांच वर्षों से जेल में बंद हैं और उनके खिलाफ दंगे भड़काने से जुड़ा कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है।

02 सितंबर 2025 को दिल्ली हाईकोर्ट भी जमानत खारिज कर चुकी थी

इन आरोपियों को मिली जमानत

गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, मोहम्मद सलीम खान, शादाब अहमद और शिफाउर रहमान

बड़ी साजिश के मास्टरमाइंड

कोर्ट में पेश की गई चार्जशीट के मुताबिक दिल्ली पुलिस का आरोप है कि फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश के पीछे यही आरोपी शरजील व उमर कथित मास्टरमाइंड थे। इन दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 700 से अधिक लोग घायल हुए थे। यह हिंसा नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) के विरोध में चल रहे प्रदर्शनों के दौरान भड़की थी। इससे पहले 2 सितंबर को दिल्ली हाई कोर्ट ने इन आरोपियों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं।

संभल में गौसुल बड़ा मस्जिद ध्वस्त

चला प्रशासन का बुलडोजर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

संभल। संभल जिले के राया बुजुर्ग गांव में स्थित गौसुल बड़ा मस्जिद को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। यह मस्जिद 552 वर्ग मीटर जमीन पर बनी हुई थी। हाईकोर्ट से किसी तरह की राहत न मिलने के बाद सोमवार को प्रशासन ने नियमानुसार कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरे गांव को सुरक्षा के लिहाज से छावनी में तब्दील कर दिया गया था।

552 वर्ग मीटर जमीन पर बनी मस्जिद पर कार्रवाई, 31 राजस्व अधिकारी और 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी रहे तैनात

ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान मौके पर एडिशनल एसपी, एसडीएम, तहसीलदार समेत 31 राजस्व अधिकारी मौजूद रहे। वहीं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए 100 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। प्रशासन ने पूरी कार्रवाई को सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण तरीके से पूरा कराया।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार, संबंधित मामले में पहले ही कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा चुकी थी और उच्च न्यायालय से भी कोई अंतरिम राहत नहीं मिली थी। इसके बाद तय कार्यक्रम के तहत मस्जिद को ध्वस्त किया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई पूरी तरह नियमों और न्यायिक आदेशों के अनुरूप की गई है। फिलहाल क्षेत्र में हालात सामान्य हैं और सुरक्षा व्यवस्था एहतियातन बनाए रखी गई है।

दिल्ली दरबार में योगी, यूपी की राजनीति में फिर हलचल

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर सरगर्मी बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार सुबह देश की राजधानी दिल्ली पहुंचे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। करीब 45 मिनट तक चली इस अहम बैठक को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। माना जा रहा है कि यूपी में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार और सांगठनिक फेरबदल को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है।

सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी और प्रधानमंत्री मोदी के बीच प्रदेश की विकास योजनाओं, केंद्र-राज्य समन्वय और आगामी राजनीतिक रणनीति पर विस्तार से बातचीत हुई। इसके अलावा सीएम योगी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात करने वाले हैं।

योगी आदित्यनाथ का यह दिल्ली दौरा इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि इसी दौरान यूपी के दोनों उप मुख्यमंत्री–केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक भी राजधानी में मौजूद हैं। ब्रजेश पाठक ने सोमवार सुबह भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की है। इन लगातार हो रही बैठकों ने मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों को और हवा दे दी है। बताया जा रहा है कि यूपी कैबिनेट में इस समय कई मंत्री पद खाली हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि दिल्ली में चल रही इन बैठकों के बाद जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार पर अंतिम मुहर लग सकती है।

- पीएम मोदी से 45 मिनट की मुलाकात, विकास योजनाओं और सियासी रणनीति पर चर्चा
- मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल के कयास, डिप्टी सीएम भी राजधानी में मौजूद

एडीजी आलोक सिंह के नेतृत्व में कानपुर जोन बना अपराध नियंत्रण की मिसाल!

सघन अभियानों और त्वरित कार्यवाही के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 में लूट के अपराधों में 39 प्रतिशत, हत्या में 12 प्रतिशत, बलवा में 11 प्रतिशत, वाहन चोरी में 18 प्रतिशत तथा अन्य चोरी के मामलों में 14 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। वर्ष 2025 कानपुर जोन के लिए कानून-व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण और जनसुरक्षा के लिहाज से ऐतिहासिक साबित हुआ। एडीजी आलोक सिंह के प्रभावी निर्देशन में कानपुर जोन पुलिस ने अपराध नियंत्रण, महिला सुरक्षा और जनसुनवाई के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कीं। योजनाबद्ध, सतत और संवेदनशील पुलिसिंग के चलते जोन में अपराधियों पर कड़ा शिकंजा कसने के साथ आमजन में सुरक्षा और विश्वास का माहौल मजबूत हुआ। सघन अभियानों और त्वरित कार्यवाही के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 में लूट के अपराधों में 39 प्रतिशत, हत्या में 12 प्रतिशत, बलवा में 11 प्रतिशत, वाहन चोरी में 18 प्रतिशत तथा अन्य चोरी के मामलों में 14 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। अपहरण के मामलों में 95 प्रतिशत पीड़ितों की सकुशल बरामदगी कर पुलिस ने अपनी दक्षता सिद्ध की।

महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जोन में महिला अपराधों की रोकथाम के लिए बहुआयामी कदम उठाए गए। बलात्कार के मामलों में 33 प्रतिशत, शीलभंग में 9 प्रतिशत तथा पॉक्सो और अपहरण में कमी दर्ज की गई। ऑपरेशन कन्विक्शन के अंतर्गत महिला अपराधों में सख्त पैरवी कर 304 अपराधियों को सजा दिलाई गई, जिनमें आजीवन कारावास और लंबी अवधि की सजाएं शामिल हैं।

मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत ग्राम, वार्ड और न्याय पंचायत स्तर पर हजारों जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सहायता तंत्रों की जानकारी दी गई।संगठित अपराध और माफिया के विरुद्ध भी कड़े कदम उठाए गए। गैंगस्टर, गुण्डा, एनएसए और रासुका जैसी विधिक कार्यवाहियों के जरिए अपराधियों की आर्थिक रीढ़ तोड़ी गई। अवैध रूप से अर्जित अरबों रुपये की संपत्तियों की जब्ती कर यह स्पष्ट संदेश दिया गया कि अपराध के लिए कानपुर जोन में कोई जगह नहीं है।आबकारी, मादक पदार्थ, अवैध शस्त्र और फर्जी मुद्रा के विरुद्ध कार्रवाई में भी जोन ने बड़ी सफलता हासिल की। अवैध शराब के कारखानों को नष्ट किया गया, भारी मात्रा में नशीले पदार्थ और अवैध हथियार बरामद कर अपराधियों को जेल भेजा गया। चोरी, लूट और डकैती के मामलों में बड़ी मात्रा में संपत्ति की बरामदगी कर पीड़ितों को राहत दी गई। खोए हुए हजारों मोबाइल बरामद कर उनके स्वामियों को लौटाए गए।

जनसुनवाई शिकायत निस्तारण में भी कानपुर जोन नंबर वन

जनसुनवाई और शिकायत निस्तारण में भी कानपुर जोन ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में जोन और उसके अंतर्गत कई परिक्षेत्र, जनपद और थाने प्रथम रैंक पर रहे। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रशिक्षण, जागरूकता और त्वरित कार्रवाई के जरिए करोड़ों रुपये की धनराशि सुरक्षित कर पीड़ितों को वापस दिलाई गई। कुल मिलाकर, उत्तर प्रदेश सरकार की स्पष्ट नीति, वरिष्ठ अधिकारियों के सतत मार्गदर्शन और कानपुर जोन पुलिस की प्रतिबद्ध एवं पेशेवर कार्यशैली के चलते वर्ष 2025 में अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व सफलता मिली। भविष्य में भी कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए इसी दृढ़ता और संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही जारी रखने का संकल्प दोहराया गया है।

मोतीझील पार्क में गूंजे अटल जी के विचार

प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मोतीझील स्थित पार्क में अटल स्मृति सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर महापौर प्रमिला पांडेय ने प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय को बुके भेंट कर स्वागत किया। महापौर प्रमिला पांडेय द्वारा आयोजित सम्मेलन में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी बाजपेयी के विचारों, व्यक्तित्व और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महापौर प्रमिला पांडेय द्वारा जरूरतमंदों को लगभग पांच सौ कंबलों का वितरण भी किया गया। प्रभारी मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी बाजपेयी का जीवन राष्ट्र सेवा, सुशासन और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी देश को दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं।

महापौर प्रमिला पांडेय ने अटल जी से जुड़ी स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि अटल जी सभी के लिए अभिभावक की तरह थे। बड़े कद और बड़े पद पर रहने के बावजूद उन्होंने कभी अपने बड़ेपन का अहसास लोगों को नहीं होने दिया। उनका हृदय सदैव विशाल रहा और सरलता व सहजता उनकी पहचान थी। उन्होंने कहा कि अटल जी शब्दों के धनी थे और अपनी कथनी व करनी के कारण सदैव चर्चा में रहे। अपने कार्यकाल में उन्होंने अनेक ऐतिहासिक और दूरगामी निर्णय लिए। अटल जी न केवल भारतीय जनता पार्टी के बल्कि पूरे देश के चहेते नेता थे। उनके भाषण सुनने के लिए विरोधी भी उत्सुक रहते थे। आज भी अटल जी जनमानस की स्मृतियों में अमर हैं।

अटल स्मृति सम्मेलन में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, कल्याणपुर की विधायिका नीलिमा कटियार, विधायक सलिल बिश्नोई, दोनों जिलों के जिला अध्यक्ष, पूर्व जिला अध्यक्ष, नगर निगम के पार्षद, पार्षद नवीन पंडित सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कानपुर में करोड़ों की जमीन को लेकर टकराव बढ़ा
जैना पैलेस प्रकरण में रंगदारी का मुकदमा

पीड़ितों का आरोप है कि पुलिस बिल्डर के दबाव में काम कर रही

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। रतनलाल नगर स्थित जैना पैलेस को लेकर चल रहा विवाद अब गंभीर आपराधिक आरोपों तक पहुंच गया है। करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन और निर्माण कार्य से जुड़े इस मामले में एक पक्ष ने रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया है, जबकि दूसरे पक्ष ने इसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी बताते हुए बिल्डर और पुलिस पर मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। पूरे मामले ने इलाके में तनाव का माहौल बना दिया है।

गोविंदनगर के जी-ब्लॉक निवासी संकल्प गुलाटी ने गोविंदनगर थाने में दर्ज कराए मुकदमे में आरोप लगाया है कि वह जैना पैलेस में निर्माण कार्य करा रहे थे, तभी 20 से 25 अज्ञात लोग मौके पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए काम रुकवा दिया। आरोप है कि हमलावरों ने धमकी दी कि यदि निर्माण कार्य जारी रखना है तो मालिक से 20-20 लाख रुपये की रंगदारी दिलानी होगी, अन्यथा काम नहीं होने दिया जाएगा।

संकल्प गुलाटी का दावा है कि यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले 21 दिसंबर की शाम को भी इसी तरह रंगदारी की मांग की जा चुकी थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मौके पर मौजूद कुछ लोगों के पास हथियार थे, जिससे मजदूरों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। आरोप है कि इसी गिरोह के खिलाफ

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
जैना पैलेस पर कब्जे का विवाद गहराया, आवंटी पहुंचे केडीए
भू-माफिया पर मिलीभगत कर कब्जा करने के आरोप, सुरक्षा की मांग
रतनलाल नगर में जैना पैलेस की जमीन पर माफियाओं की जुगलबंदी

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
जैना पैलेस कंपनी की ठगी पर बड़ा कदम, एसआईटी गठित
विशेष जांच दल के गठन से पीड़ितों में न्याय की उम्मीद

पहले भी करन पुरी और मनोज सेंगर द्वारा शिकायतें की गई थीं, लेकिन पुलिस की ओर से ठोस कार्रवाई न होने के कारण आरोपितों के हौसले और बढ़ गए।

वहीं, दूसरे पक्ष ने भी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और पूरे मामले को रंगदारी नहीं, बल्कि संपत्ति विवाद बताया है। आरोपित पक्ष का कहना है कि उनके पिता ने जैना पैलेस में एक फ्लैट खरीदा था, लेकिन बिल्डर ने आज तक फ्लैट का कब्जा नहीं दिया। बार-बार शिकायत करने के बावजूद कहीं सुनवाई नहीं हुई, जिससे मजबूर होकर वे अपना पैसा वापस मांग रहे हैं। उनका आरोप है कि अब बिल्डर के दबाव में उनके खिलाफ रंगदारी जैसे गंभीर आरोप लगवाए गए हैं।

इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। आरोपित पक्ष का दावा है कि बिल्डर प्रभावशाली है और उसी के दबाव में पुलिस निष्पक्ष कार्रवाई नहीं कर रही। दूसरी ओर, पीड़ित पक्ष का कहना है कि पुलिस की ढिलाई के चलते ही दबंगों के हौसले बुलंद हैं और निर्माण कार्य बाधित किया जा रहा है। गोविंदनगर थाना प्रभारी रिकेश कुमार सिंह का कहना है कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। दोनों पक्षों को बुलाकर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली जाएगी, साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी।

फिलहाल, रतनलाल नगर में जैना पैलेस को लेकर चल रहा यह विवाद अब सिर्फ जमीन और निर्माण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि कानून-व्यवस्था और पुलिस की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह विवाद और भी उग्र रूप ले सकता है।

कई व्यापारियों ने बताया कि पुलिस मामले में मदद नहीं कर रही है, जबकि गठित एसआईटी में पेपर सही पाए गए हैं। इसके बाद भी ये हाल है ।

कानपुर में सीजन की सबसे सर्द रात, पारा लुढ़ककर 3.2 डिग्री

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

- 10 जनवरी तक शीतलहर और घने कोहरे का यलो अलर्ट, तापमान और गिरने के आसार

कानपुर। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से कानपुर में बीती रात इस मौसम की सबसे सर्द रात दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान 7.4 डिग्री की भारी गिरावट के साथ 3.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो न सिर्फ इस सीजन का सबसे कम तापमान है बल्कि पूरे प्रदेश में भी सबसे सर्द रात रही। इससे पहले वर्ष 2013 में चार जनवरी को शहर में न्यूनतम तापमान 1.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद पहाड़ी इलाकों में हुई बर्फबारी के चलते वहां से सर्द और शुष्क पछुआ हवाएं मैदानी क्षेत्रों की ओर बढ़ीं, जिससे तापमान में अचानक बड़ी गिरावट आई। शनिवार को हवा की गति में अप्रत्याशित तेजी देखी गई थी। हालांकि रविवार को दिन में धूप निकलने से अधिकतम तापमान में एक डिग्री की मामूली बढ़ोतरी हुई और यह 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.2 डिग्री कम रहा। इसी कारण रविवार को शीत दिवस घोषित नहीं किया जा सका।चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के मौसम केंद्र के अनुसार शनिवार को जहां न्यूनतम तापमान 10.6 डिग्री था, वहीं रविवार को यह सीधे 3.2 डिग्री पर आ गया। हवा की औसत रफ्तार भी घटकर 4.3 किमी प्रति घंटा रह गई, जबकि एक दिन पहले यह 7.8 किमी प्रति घंटा थी। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि 10 जनवरी तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है और सात जनवरी तक बेहद घना कोहरा छाया रहेगा। मौसम विभाग ने 10 जनवरी तक यलो अलर्ट जारी किया है।

शनिवार-रविवार की रात कोहरे के कारण दृश्यता एयरफोर्स स्टेशन पर शून्य और शहरी इलाकों में 10 से 20 मीटर दर्ज की गई। एयरफोर्स स्टेशन पर अधिकतम तापमान 16.6 और न्यूनतम 6.8 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं प्रदेश के अन्य जिलों में शाहजहांपुर में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री, जबकि हरदोई और बरेली में 5.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

साइबर क्राइम : फेसबुक लिंक खोलते ही खाते से उड़े 6.50 लाख

- पिता के मोबाइल पर खेलते-खेलते बेटे ने खोला अनजान लिंक
- आठ दिनों में कई बार निकली रकम, तीन माह बाद थाने में केस

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र में साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां फेसबुक पर आए एक अनजान लिंक को खोलना एक परिवार को भारी पड़ गया। पिता के मोबाइल से बेटे मात्र 99 रुपये के गिफ्ट ऑफर के लालच में लिंक खोल दिया। इसके बाद आठ दिनों के भीतर पिता के बैंक खाते से करीब 6.50 लाख रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद करीब तीन माह बीतने पर कल्याणपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

महाबलीपुरम निवासी शरद कुमार शुक्ला के अनुसार, 13 सितंबर 2025 को उनका 13 वर्षीय बेटा उनके मोबाइल फोन पर फेसबुक चला रहा था। इसी दौरान एक लिंक सामने आया, जिसमें 99 रुपये का भुगतान करने पर आकर्षक गिफ्ट मिलने का दावा किया गया था।

बालक ने अनजाने में लिंक खोलकर 99 रुपये का ऑनलाइन भुगतान कर दिया।कुछ दिनों बाद जब बैंक से जुड़े संदेशों की जांच की गई तो पता चला कि 17 से 24 सितंबर के बीच कई बार में खाते से कुल 6.50 लाख रुपये निकाल लिए गए हैं। हैरानी की बात यह रही कि इस दौरान न तो कोई बैंक अलर्ट संदेश मिला और न ही किसी अन्य माध्यम से लेनदेन की जानकारी दी गई।

> तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर लिया गया है। जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उनकी जानकारी जुटाने के लिए संबंधित बैंकों को ई-मेल भेजे जा रहे हैं। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।
>
> – राजेंद्रकांत शुक्ला, थाना प्रभारी

खाटू वाले श्याम बाबा तेरा ही सहारा तेरे सिवा दुनिया में कोई ना हमारा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नव वर्ष की बेला पर श्री राधेश्याम परिवार द्वारा आयोजित द्वितीय श्री बाँके बिहारी जी श्याम प्रभू का महोत्सव रविवार को होटल द ब्रिज, जीटी रोड, कानपुर में सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रभु की आरती एवं बाल भोग से किया गया कार्यक्रम में संस्था द्वारा प्रभु की अलौकिक झॉकी दर्शन प्रस्तुत की गयी। झॉकी की सुन्दरता देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि जैसे प्रभु स्वयं उपस्थित होकर जनसमूह को साक्षात आशीवाद दे रहे हैं।

साथ ही भजन गायक अभिनव ऐसन (हरियाणा), ब्रज रसिक श्यामा (वृन्दावन), अकुश श्रीवास्तव (लखनऊ), आराधना शुक्ला, रिषभ दिवाना कानपुर द्वारा दरबार नें सुमधुर भजन रस वर्षा का रसास्वादन सभी भक्तों ने किया।

अनेकों भजनों पर भक्त मुग्ध होकर झूम उठे साथ ही प्रभू के महाप्रसाद को हजारों लोगों के द्वारा ग्रहण किया गया कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना सासद , रमेश अवस्थी , मेयर प्रमिला पाण्डेय , विधायक अमिताभ बाजपेयी, पार्षद गण, हास्य कलाकार अन्नू अवस्थी , एवं संस्था के वरिष्ठ जन एवं सहयोगियों के

साथ संस्था के संरक्षक ज्ञानेश निश्रा, संतोष कमार गुप्ता, मार्गदर्शक देव कुमार औमर देवा, उत्सव संयोजक , ग्रुजिन्दर सिंह, विजय गुप्ता (गोरे) अध्यक्ष अर्पित गृप्ता,

महामंत्री सुशील ओमर कोषाध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता (गहोई), वारिष्ठ उपाध्यक्ष विकास गौड एडं, विकास अग्रवाल, उपाध्यक्षविकास

ओमर, रामजी गुप्ता, राजेश गुप्ता, मंत्री गौरब औमर, अशोक ओमर, भरत, सहकोषाध्यक्ष श्याम बाजपेयी,संगढन मंत्री विमल गुप्ता, सांस्कतिक मंत्री दीपक अग्रवाल, मीडिया प्रभारी अनुज शुक्ला एडवोकेट कार्यकारिणी सदस्यों सहित हजारों भक्तजन उपस्थित रहे।

स्टाफ नर्स की चूक से गई मासूम की जान, हैलट में हंगामा

» वार्ड में हालत बिगड़ने के बाद आईसीयू में भर्ती, देर रात तोड़ा दम

» स्टाफ नर्स को हटाया गया, जांच में इंजेक्शन लगाने की पुष्टि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। एलएलआर अस्पताल में इलाज के दौरान एक किशोर की मौत ने अस्पताल प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर दिया है। मेडिसिन वार्ड नंबर छह में भर्ती 15 वर्षीय किशोर को बिना डॉक्टर की सलाह के पोटेशियम का इंजेक्शन लगा दिया गया, जिसके बाद उसकी हालत गंभीर रूप से बिगड़ गई। इलाज के लिए उसे आईसीयू में शिफ्ट किया गया, जहां शनिवार देर रात उसकी मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राचार्य ने आरोपित स्टाफ नर्स को

हटा दिया है।उरई निवासी किशोर सतीश को पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 16 दिसंबर की रात वार्ड में तैनात पुरुष स्टाफ नर्स रनवीर ने बिना चिकित्सकीय परामर्श के उसे पोटेशियम का इंजेक्शन दे दिया। इसके कुछ ही देर बाद मरीज की तबीयत बिगड़ने लगी। आंखें पलटना, उल्टी और दस्त जैसे गंभीर लक्षण सामने आने पर उसे तुरंत आईसीयू में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। प्राचार्य प्रो. संजय काला ने बताया कि घटना के अगले दिन ही संबंधित स्टाफ नर्स को ड्यूटी से हटा दिया गया था। पीड़ित परिवार से लिखित शिकायत देने को कहा गया, लेकिन परिवार की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई। वहीं आरोपित नर्स इंजेक्शन लगाने से इनकार कर रहा है, हालांकि जांच में वार्ड के अन्य कर्मचारियों और स्टाफ ने उसके द्वारा इंजेक्शन लगाए जाने की पुष्टि की है।मेडिसिन विभागाध्यक्ष प्रो. बीपी प्रियदर्शी के अनुसार पोटेशियम की दवा आमतौर पर नसों की कमजोरी या हृदय संबंधी रोगों में दी जाती है। बिना स्पष्ट लक्षणों के मरीज को यह दवा देने पर उल्टी, दस्त और भ्रम जैसी गंभीर प्रतिक्रियाएं हो सकती हैं। मामले की जांच जारी है ।

संतान की दीर्घायु के लिए महिलाएं छह को रखेंगी सकट चौथ का व्रत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। छह जनवरी को चतुर्थी तिथि में चंद्रोदय होगा। कानपुर में चंद्रोदय का समय रात 8:45 मिनट है जिसके बाद चंद्रमा के प्रत्यक्ष दर्शन होने पर पूजन व अर्घ देकर व्रत संपन्न किया जाएगा। संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना के उद्देश्य से महिलाएं छह जनवरी को सकट चौथ का व्रत रखेंगी। यह पर्व भगवान गणेश, सकट माता और चंद्र देवता की आराधना को समर्पित है। इस व्रत को तिलवा चौथ, तिल-कुटा चौथ, माघी चौथ और वक्र-तुण्ड चतुर्थी के नाम से भी जाना जाता है। चंद्रोदय के बाद चंद्रमा को तिल-गुड़ का अर्घ्य अर्पित कर व्रत का पारण किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस व्रत के प्रभाव से विघ्नहर्ता भगवान गणेश जीवन की बाधाओं और संकटों का नाश करते हैं। माघ कृष्ण चतुर्थी तिथि छह जनवरी को सुबह 8:01 बजे से शुरू होकर सात जनवरी की सुबह 6:52 बजे तक रहेगी। चूंकि चंद्रोदय छह जनवरी को चतुर्थी तिथि में ही होगा, इसलिए व्रत इसी दिन मंगलवार को रखा जाएगा। शाम को गणेश पूजा के बाद तिल-गुड़ से तैयार तिलकुट का भोग लगाया जाएगा। कथा वाचन के उपरांत प्रसाद वितरित किया जाएगा।

शुभ योग और नक्षत्र-इस वर्ष सकट चौथ पर कई शुभ योग बन रहे हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 7:15 से दोपहर 12:17 बजे तक रहेगा। प्रीति योग पूरे दिन प्रभावी रहेगा, जबकि रात 8:21 बजे के बाद आयुष्मान योग आरंभ होगा। ज्योतिष सेवा संस्थान के संस्थापक पं. पवन तिवारी के अनुसार, गणेशजी की उत्पत्ति भी इसी दिन मानी गई है। इसलिए इसे तिलकुटी व वक्रतुंड चतुर्थी कहते हैं। कानपुर में चंद्रोदय का समय रात 8:45 मिनट है जिसके बाद चंद्रमा के प्रत्यक्ष दर्शन होने पर पूजन व अर्घ देकर व्रत संपन्न किया जाएगा।

सम्पादकीय

वैश्विक कानूनों का अतिक्रमण

पिछले लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर रहे वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी हमले के बाद गिरफ्तार करना निस्संदेह, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेजुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है।

निस्संदेह, इस अमेरिकी निरंकुशता के गहरे भू-राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे। यहां तक कि मादुरो का विरोध करने वाले अमेरिका के सहयोगी देश भी, अब मुखर होकर चेतावनी देने लगे हैं। रूस और चीन इस अमेरिकी कार्रवाई को नियम-कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बता रहे हैं। वहीं वेनेजुएला के इस घटनाक्रम ने चीन को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर अमेरिकी आलोचना को बेअसर करने का भरपूर मौका दे दिया है। जिससे ताइवान की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अमेरिका के इस कृत्य ने इराक और अफगानिस्तान में हमले व सेना की तैनाती की यादें ताजा कर दी हैं। ऐसे युद्ध जो अमेरिकी आत्ममुग्धता और अति-आत्मविश्वास से शुरू हुए, लेकिन उनका समापन अपमानजनक विदाई से हुआ। लेकिन इन हमलों के बाद वे देश कभी सामान्य नहीं रह पाए। वहीं ट्रंप की यह दलील कि मादुरो को पकड़ने के लिये चलाए अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, उसके प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी नियंत्रण की मंशा को ही दर्शाता है। वहीं अमेरिका ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सुशासन, सुरक्षा के लिये वेनेजुएला की जनता की आकांक्षाओं वाले किस नेता को सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिन्होंने घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। । बहरहाल, देर-सवेर ट्रंप को अहसास होगा कि एक निरंकुश शासक को हटाना आसान है, लेकिन उस देश में दीर्घकालिक शांति-स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है।वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है।

सोमनाथ- आस्था के हजार वर्ष, आशा का अनंत नाद

यशवंत सचदेव

अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। इतिहास के पन्नों में वे केवल फुटनोट हैं, जबकि सोमनाथ आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा...अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। इतिहास के पन्नों में वे केवल फुटनोट हैं, जबकि सोमनाथ आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें ये बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है।सोमनाथ, ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतीकरण है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम? में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है... 'सौराष्ट्रे सोमनाथं च...' यानी ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है 'सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते। लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत?॥' अर्थात, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, पूरी होती हैं व मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है। दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा व प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, यह मंदिर ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था। सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनर्निर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे। 1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर पहले आक्रमण, लोगों से क्रूरता व विध्वंस का वर्णन कई ऐतिहासिक स्रोतों में मिलता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दुःख है जिसकी पीड़ा लगातार महसूस होती है। कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर व लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत था। ये ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे। सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास व गर्व से कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं। ये 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है। 1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण के लिए उकसाया। यह लोगों व हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था।

विकास को मुंह चिढ़ाती दूषित जल से होने वाली मौतें

पैरामीटर्स तय करता

डा0 सुधीर कुमार

कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत में दूषित यानी गंदा पानी पीने से हर साल दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2030 तक करीब 600 मिलियन लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ सकता है, जो देश की कुल आबादी का 40त्न है।केंद्र सरकार की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इतनी बड़ी उपलब्धि के बावजूद देश में दूषित पेयजल जैसी बुनियादी समस्याएं विकास को मुंह चिढ़ा रही हैं। देश में स्वच्छता में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में दूषित पानी से पीने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब सौ लोग बीमार हो गए। यह तस्वीर बताती है कि देश में पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान अभी कोसो दूर है। सरकारें आंकड़ों के जरिए बेशक कितनी ही उपलब्धि का दावा कर लें किन्तु जमीनी हकीकत कुछ अलग है।

जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में 120 वें स्थान पर है और देश के लगभग 70 प्रतिशत जल स्रोत प्रदूषित हैं।दौर में जो हुआ उसने ये शक पैदा कर दिया है कि देश में कहीं भी ऐसी 'जहरीली मौत' की सप्लाई हो सकती है। ऐसा तब होता है जब सारे नियम और मानक भुला दिए जाते हैं। भारत में सप्लाई वॉटर की गुणवत्ता और पाइपलाइनों के रखरखाव को लेकर मानक तय हैं। ब्यूरो ऑफ

इंडियन स्टैंडर्ड्स सप्लाई वाले पानी के केमिकल, फिजिकल और बायोलॉजिकल पैरामीटर्स तय करता है। गाइडलाइंस कहती हैं कि उपभोक्ता के नल तक पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एजेंसी की जिम्मेदारी है। फिर वो सरकारी हो या प्राइवेट। गाइडलाइंस के मुताबिक पाइपलाइनों को 30 से 50 वर्ष के अंदर बदला जाना जरूरी है। अगर बार-बार लीकेज की शिकायत आती है तो बिना देरी किए पाइप बदला जाना चाहिए। इन गाइडलाइंस का कितना पालन होता है इंदौर की घटना के बाद इस पर सवाल उठ रहे हैं। जिस पर सफाई भी दी जा रही है। जुलाई 2022 में गंदे पानी से जुड़े आंकड़े लैंसेट स्टडी में बताया गया कि भारत में करीब 1.95 लाख बस्तियों में लोग दूषित पानी पी रहे हैं। जिसकी वजह से साल 2019 में 23 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। शहर ही नहीं गांवों में भी साफ पानी की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। गंदे पानी में बैक्टीरिया, वायरस, टॉक्सिन्स और हेवी मेटल्स जैसे खतरनाक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। अशुद्ध पानी पीने से हैजा, पीलिया, पेचिश, गले की बीमारी, टायफाइड जैसी बीमारियां हो सकती हैं। भारत में हर दिन बड़ी संख्या में लोगों को दूषित पानी पीना पड़ता है। कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत में दूषित यानी गंदा पानी पीने से हर साल दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2030 तक करीब 600 मिलियन लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ सकता है, जो देश की कुल आबादी का 40त्न है। दूषित पानी की समस्या से सबसे ज्यादा दिल्ली और एनसीआर प्रभावित है। यहां की आबादी बढ़ने के साथ साफ पानी की मांग बढ़ गई है, लेकिन गंदे पानी की आपूर्ति कई लोगों की सेहत को खराब कर रही है। भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है। देश के कई राज्य इस समय पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु देश के ऐसे टॉप तीन राज्य हैं, जहां के अधिकतर जिलों में पानी का संकट छाया हुआ है।

होटल पर एसटीएफ की दबिश
आपराधिक कनेक्शन की जांच

अपराध से जुड़े संदिग्धों के ठहरने की सूचना पर कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। रविवार की शाम बिल्हौर कस्बे में उस समय सनसनी फैल गई, जब मकनपुर रोड तिराहे के पास स्थित एक होटल में एसटीएफ और एसओजी की संयुक्त टीम ने अचानक छापेमारी की। कई गाड़ियों से पहुंची टीम ने होटल को घेर लिया, जिससे कुछ ही पलों में पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार कन्नौज कोतवाली क्षेत्र में दर्ज एक आपराधिक मामले की जांच के दौरान मोबाइल फोन की लोकेशन इसी होटल से जुड़ी मिली। इसी इनपुट के आधार पर कन्नौज और फर्रुखाबाद से आई टीमों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए होटल में दबिश दी।

छापेमारी के दौरान होटल परिसर में मौजूद कुछ लोग घबरा गए और मुंह ढककर बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। सूत्रों के मुताबिक टीम ने होटल संचालक समेत तीन लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया और अपने साथ ले गई। इस कार्रवाई के चलते होटल और उसके आसपास कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। बिल्हौर इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि कन्नौज में एक अपराध से जुड़े मामले को लेकर कार्रवाई की गई है। आगे की जांच पूरी होने के बाद मीडिया को जानकारी दी जाएगी।

- कन्नौज व फर्रुखाबाद की टीमों ने की संयुक्त छापेमारी
- पुलिस ने तीन संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ

होटल कारोबार से जुड़े लोगों में खलबली

- एसटीएफ की कार्रवाई की खबर फैलते ही बिल्हौर क्षेत्र में संचालित आधा दर्जन से अधिक होटलो में हड़कंप मच गया। अचानक हुई छापेमारी से होटल संचालकों और स्टाफ में अफरा-तफरी का माहौल रहा।सूत्रों के अनुसार कुछ होटलों में कमरों की जांच-पड़ताल शुरू कर दी गई, वहीं कई स्थानों पर स्टाफ की गतिविधियां अचानक तेज हो गईं। पुलिस की सक्रियता को देखते हुए होटल प्रबंधन सतर्क नजर आया। हालांकि किसी अन्य होटल में कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई, लेकिन एसटीएफ की दबिश के बाद पूरे क्षेत्र में होटल कारोबार से जुड़े लोगों में खलबली मची रही।

बाहरी युवाओं और जोड़ों की आवाजाही

- कस्बे में संचालित होटल को लेकर आम लोगों में चिंता बढ़ी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इन होटलों में ग्रामीण क्षेत्र व बाहरी युवाओं और जोड़ों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है, जिससे माहौल गंदा होता जा रहा है। लोगों के मुताबिक शाम ढलते ही होटल क्षेत्रों में चहल-पहल अचानक बढ़ जाती है, जिससे आसपास रहने वाले परिवारों और दुकानदारों को असहजता महसूस होती है। एसटीएफ की हालिया कार्रवाई के बाद यह मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। स्थानीय लोगों की मांग है कि होटल संचालन पर प्रभावी निगरानी हो, ताकि शांति, कानून-व्यवस्था और सामाजिक संतुलन बना रहे।

ग्राम प्रधान के बेटों ने पिता-पुत्र को जमकर पीटा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बहरामपुर गांव में शुक्रवार को गांव के पूर्व प्रधान के दो बेटों ने खुन्नस में एक पिता-पुत्र को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीट दिया। जब बीच-बचाव करने के लिए उनकी बेटी नेहा आई, तो उसे भी पीटा गया। घटना के बाद आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

- बीच-बचाव करने आई बेटी भी नहीं बची

राम प्रसाद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शुक्रवार सुबह करीब सात बजे वह अपने घर में थे। तभी पूर्व प्रधान के पुत्र सुभाष और मनीष पाल वहां आए और वर्चस्व की लड़ाई को लेकर गालियां देने लगे। विरोध करने पर दोनों ने लाठी-डंडों से उन्हें बेरहमी से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।

बीच-बचाव के लिए उनकी बेटी नेहा पहुंची, लेकिन आरोपी उसे भी पीटकर धमकी देते हुए मौके से भाग गए। शोर सुनकर ग्रामीण भी घटना स्थल पर आए, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। थानाध्यक्ष आशीष चौबे ने बताया कि तहरीर के आधार पर सुभाष और मनीष के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। दोनों की तलाश जारी है और पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

सोशल मीडिया पोस्ट से युवक पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र के रौंगांव गांव से सोशल मीडिया के कथित दुरुपयोग का मामला सामने आया है। गांव निवासी विजय कुमार गुप्ता ने गांव के ही एक युवक पर धार्मिक भावनाएं आहत करने, अभद्र टिप्पणियां करने और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में प्रार्थना पत्र दिया है।

पीड़ित विजय कुमार का आरोप है कि गांव निवासी चांद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से लगातार आपत्तिजनक टिप्पणियां और पोस्ट साझा करता रहा है। उनका कहना है कि इन पोस्टों में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली भाषा के साथ-साथ भड़काऊ और आपसी सौहार्द बिगाड़ने वाली बातें शामिल हैं, जिससे गांव के माहौल में तनाव की स्थिति बन रही है। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब उसने आरोपी को इस तरह की गतिविधियों से बाज आने को समझाया तो आरोपी और अधिक आक्रामक हो गया। आरोप है कि उसने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित का कहना है कि संबंधित वीडियो और मैसेज उनके पास मौजूद हैं, हालांकि इनकी पुष्टि नहीं की गई है। मामले को लेकर विजय कुमार ने मकनपुर चौकी में शिकायत दर्ज कराते हुए निष्पक्ष जांच और सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी युवक को चौकी बुलाकर पूछताछ शुरू की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सोशल मीडिया पोस्ट, कॉल डिटेल और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है।

- अरौल थाना क्षेत्र का मामला, शिकायत पर पुलिस ने शुरू की जांच

कटियार ढाबा फायरिंग कांड में दो आरोपी गिरफ्तार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

चौबेपुर,बिल्हौर (कानपुर)। चौबेपुर कस्बे के कटियार ढाबे में 29 दिसंबर को हुई मारपीट व फायरिंग की घटना के मामले में पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए दो नामजद आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना के बाद से फरार चल रहे अन्य आरोपितों की तलाश में पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

जानकारी के अनुसार खरगपुर गांव निवासी रंजीत सिंह पर ढाबे में हमला करने और फायरिंग करने के आरोप में दर्ज मुकदमे में संजय सिंह और दिनेश सिंह को रविवार को गिरफ्तार किया गया। दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। इस घटना की जड़ में दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से चला आ रहा अवैध खनन का विवाद बताया जा रहा है। इसी रंजिश के चलते ढाबे पर हमला कर दहशत फैलाने की कोशिश की गई थी।

सर्द हवाओं से बढ़ी ठिठुरन
अलाव बना गर्मी पाने का सहारा

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। मौसम के मिजाज में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव के बीच शुक्रवार का दिन क्षेत्रवासियों के लिए कड़ाके की ठंड लेकर आया। दिनभर आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहने से घने कोहरे से कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन सूर्यदेव के दर्शन न होने और सर्द हवाओं के चलने से ठिठुरन और बढ़ गई। तेज ठंड के चलते जनजीवन प्रभावित रहा।

सुबह से ही ठंडी हवाओं ने लोगों को घरों में दुबकने पर मजबूर कर दिया। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर आवाजाही कम नजर आई। जरूरतमंद लोग अलाव का सहारा लेते दिखे, वहीं ग्रामीण इलाकों में भी लोग ठंड से बचने के लिए आग तापते नजर आए। शीतलहर के चलते बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष परेशानी का सामना करना पड़ा। ठंड के कारण दिनचर्या प्रभावित रही और लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ठंड का प्रकोप इसी तरह बना रह सकता है।

- दिनभर नहीं दिखाई दिए सूर्यदेव, बाजारों में भी दिखा सन्नाटा

ठंड से राहत को प्रशासन सक्रिय

- कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए प्रशासन ने लोगों को राहत देने के लिए अलाव के अतिरिक्त इंतज़ाम कराए। बिल्हौर कस्बे के प्रमुख चौराहों के साथ-साथ अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों एवं सार्वजनिक प्वाइंटों पर भी अलाव जलवाए गए। सर्दी से बचाव के लिए किए गए इन इंतज़ामों से राहगीरों, मजदूरों और जरूरतमंदों को काफी राहत मिली।

कानपुर बनेगा औद्योगिक विकास का मॉडलः सांसद रमेश अवस्थी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर महानगर के लिए एक बड़ी और सकारात्मक खबर सामने आई है। सांसद रमेश अवस्थी ने सोमवार को लैंडमार्क होटल में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) आज भारतीय अर्थव्यवस्था का दूसरा मजबूत इंजन बन चुका है और कानपुर को औद्योगिक विकास का राष्ट्रीय मॉडल बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

» वर्ष 2025-26 के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार एमएसएमई क्षेत्र देश की जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान दे रहा है

सांसद अवस्थी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार एमएसएमई क्षेत्र देश की जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। कृषि के बाद यह देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता बनकर उभरा है, जो करीब 28 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। उन्होंने कहा कि एमएसएमई क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ है।

शेयर बाजार से मिलेगी एमएसएमई को नई ताकत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए सांसद अवस्थी ने कहा कि केंद्र सरकार एमएसएमई इकाइयों को आईपीओ के माध्यम से शेयर बाजार से पूंजी जुटाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। इससे उद्योगों को बिना ब्याज के इक्विटी कैपिटल मिलती है, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति मजबूत होती है और विस्तार की संभावनाएं बढ़ती हैं।

कानपुर की औद्योगिक विरासत को मिलेगा नया मंच

उन्होंने कहा कि कानपुर ऐतिहासिक रूप से टेक्सटाइल, लेदर, इंजीनियरिंग, प्लास्टिक, हैंडलूम और लघु उद्योगों का बड़ा केंद्र रहा है। इसी विरासत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक विशेष सेमिनार आयोजित किया जा रहा है, जिसमें उद्योगों को पूंजी बाजार और निवेश के आधुनिक अवसरों से जोड़ा जाएगा।

7 जनवरी को कानपुर में ऐतिहासिक सेमिनार

सांसद रमेश अवस्थी ने जानकारी दी कि 7 जनवरी 2026 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होटल लैंडमार्क, कानपुर में एक विशेष एमएसएमई सेमिनार आयोजित होगा।

इस कार्यक्रम में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के एमडी एवं सीईओ श्री आशीष कुमार चौहान स्वयं कानपुर आकर उद्यमियों को मार्गदर्शन देंगे। सांसद ने बताया कि कुछ माह पूर्व एनएसई मुंबई दौरे के दौरान उन्होंने श्री चौहान को कानपुर आने का निमंत्रण दिया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

प्रदेश में पहली बार ऐसा आयोजन

इस सेमिनार को लेकर सांसद ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश में अपनी तरह का पहला आयोजन है, जिसमें एमएसएमई उद्योगों को सीधे पूंजी बाजार से जुड़ने का व्यावहारिक मार्गदर्शन मिलेगा। कानपुर के सभी उद्योगपति, एमएसएमई संगठन और उद्यमियों से इसमें सक्रिय सहभागिता की अपील की गई है।

कानपुर को उत्तर भारत का औद्योगिक हब बनाने की तैयारी

अंत में सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि औद्योगिक विकास, बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार, स्टार्टअप संस्कृति और निवेश के अनुकूल माहौल के जरिए कानपुर को उत्तर भारत के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करना उनकी प्राथमिकता है। यह सेमिनार कानपुर की अर्थव्यवस्था को नई गति देने में मील का पत्थर साबित होगा।

कुल मिलाकर, कानपुर महानगर के लिए यह एक ऐतिहासिक और उत्साहवर्धक पहल मानी जा रही है, जो शहर को आर्थिक और औद्योगिक रूप से नई पहचान दिलाने का काम करेगी।

नगर निगम ने की मलिन बस्तियों के लिए बड़ी पहल

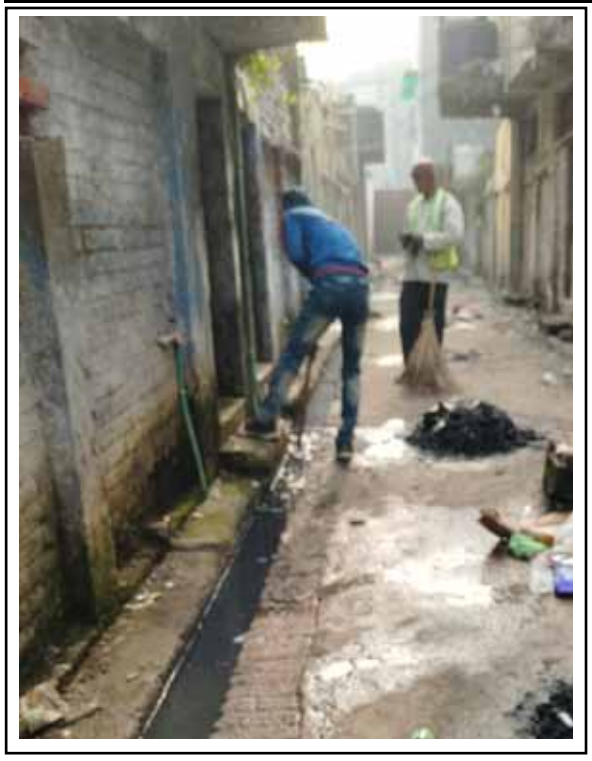

» नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय के निर्देश पर विभिन्न जोनों में स्थित लगभग 45 से अधिक मलिन बस्तियों को चिन्हित कर गहन सफाई कार्य कराया गया

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । नगर निगम ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया है। दिनांक 03 जनवरी 2026 से 04 जनवरी 2026 तक सार्वजनिक अवकाश के दौरान नगर की मलिन बस्तियों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया, जिससे साफ-सफाई को लेकर सकारात्मक संदेश गया।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत नगर निगम के विभिन्न जोनों में स्थित लगभग 45 से अधिक मलिन बस्तियों को चिन्हित कर गहन सफाई कार्य कराया गया। प्रतिदिन प्रातः 06:00 बजे से सायं 02:00 बजे तक करीब 8 घंटे तक लगातार सफाई अभियान संचालित किया गया।अभियान में करीब 750 से अधिक सफाई कर्मचारी, 60 से अधिक सुपरवाइजर एवं स्वास्थ्य निरीक्षक तैनात रहे। सफाई कार्य को प्रभावी बनाने के लिए डंपर, ट्रैक्टर-ट्रॉली, जेसीबी मशीनों सहित अन्य आधुनिक संसाधनों का समुचित उपयोग किया गया।सफाई अभियान के दौरान नालियों की गहन सफाई, कूड़ा-कचरा उठान, सड़कों एवं गलियों में झाड़ू, झाड़ियों तथा अवैध कचरा ढेरों को हटाने के साथ-साथ जलभराव संभावित स्थलों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया गया।यह अभियान कल्याणपुर मलिन बस्ती, बगाही बस्ती, जरीब चौकी क्षेत्र, ग्वालटोली मलिन क्षेत्र, नौबस्ता बस्ती, बाबूपुरवा, चमनगंज एवं किदवई नगर सहित अन्य क्षेत्रों में प्रभावी रूप से चलाया गया। जोनल अधिकारियों द्वारा मौके पर मौजूद रहकर कार्यों की सतत निगरानी की गई, जिससे सभी कार्य समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे हो सके।

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें, खुले में कूड़ा न डालें और कूड़ा निर्धारित स्थानों व वाहनों में ही दें। नगर निगम का कहना है कि भविष्य में भी इस प्रकार के विशेष स्वच्छता अभियानों को चरणबद्ध तरीके से निरंतर जारी रखा जाएगा, ताकि कानपुर को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ शहर बनाया जा सके।

हिदायत

संपूर्ण समाधान दिवस

डीएम-एसपी की दो टूक कागजी काम नहीं चलेगा

शिकायतों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को जवाब देना होगा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। आज अकबरपुर तहसील दिवस पर शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जन शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से सोमवार को तहसील अकबरपुर परिसर में आयोजित जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। जिलाधिकारी कपिल सिंह और पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने संयुक्त रूप से जनसमस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को सख्त लहजे में मौके पर प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व, पुलिस, विकास, विद्युत, आवास और पेंशन से जुड़े मामलों की संख्या सर्वाधिक रही। डीएम कपिल सिंह ने प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल फाइलों में न हो, बल्कि पीड़ित को वास्तविक राहत मिलना अनिवार्य है। उन्होंने चेतावनी दी कि बार-बार लंबित पाए जाने वाले मामलों और शिकायतों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय कर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने भूमि विवाद, पारिवारिक झगड़े और पुलिस से संबंधित शिकायतों की सुनवाई की। निर्देश दिए कि जिन मामलों में पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त कार्रवाई जरूरी है, वहां तत्काल संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजी जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि छोटी-छोटी लापरवाहियां बड़े विवाद का रूप न लें, इसके लिए समयबद्ध और निष्पक्ष कार्रवाई जरूरी है। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों से आए बड़ी संख्या में फरियादियों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। कई प्रकरणों में अधिकारियों को मौके पर ही रिपोर्ट तलब कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विधान जयसवाल, उप जिलाधिकारी अकबरपुर, तहसीलदार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

फांसी पर लटकता मिला 12वीं की छात्रा का शव

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद थाना क्षेत्र में ग्राम कारे रामपुर निवासी प्रेमचंद की 18 वर्षीय पुत्री शिखा ने घर के अंदर कुंडे से कपड़े के सहारे फांसी लगा ली। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। किशोरी कक्षा 12 वीं की छात्रा थी। यूपी बोर्ड परीक्षा से पहले उसके द्वारा उठाए गए इस कदम से तरह-तरह की चर्चाएं हो रहीं थी। हालाकि परिजनों ने पोस्टमार्टम करवाने से मना कर दिया। जिस पर पुलिस ने औपचारिकता पूरी कर शव को परिजनो के सुपुर्द कर दिया।

कर्नलगंज पुलिस ने चार जुआरियों को दबोचा

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कर्नलगंज पुलिस ने जुआ खेलते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से कुल 1970 रुपये नकद व 52 ताश के पत्ते बरामद किए हैं।

प्रभारी निरीक्षक विनीत कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर 14/1 विक्टोरिया मिल ग्राउंड में दबिश देकर हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे चार लोगों को मौके से पकड़ लिया गिरफ्तार अभियुक्तों में अब्दुल्ला, सैफी, दीपक गुप्ता व नासिर शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए निजी मुचलके पर रिहा कर दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक:** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 l **Email:** swarajindia2023@gmail.com l **Mob:** 7800009853, l **Website:** www.swarajindianews.com l **(समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)** प्रादेशिक कार्यालय:4ए/5,119/10बी, खान बिल्डिंग, पार्क रोड हजरतगंज

जूही में कुत्तों का आतंक महिला पर झुंड ने किया हमला

» एक दिन पहले मासूम को काटा, शिकायतों के बाद भी कार्रवाई न होने से लोगों में रोष

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

दवा लेने निकली महिला को जमीन पर गिराकर कपड़े खींचने की कोशिश, सीसीटीवी में कैद वारदात

कानपुर। जूही इलाके में बेसहारा कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को दवा लेने घर से निकली एक महिला पर कुत्तों के झुंड ने अचानक हमला बोल दिया। एक साथ कई कुत्तों के हमले से महिला घबराकर जमीन पर गिर पड़ी। इसके बाद कुत्तों ने उसके कपड़ों को मुंह में दबाकर खींचने की कोशिश की। महिला के चीख-पुकार मचाने पर आसपास के लोग दौड़े और कुत्तों को खदेड़कर उसकी जान बचाई। पूरी घटना पार्षद के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

घटना वार्ड-14 की है। पार्षद शालू सुनील कनौजिया के अनुसार, इलाके में बीते करीब दस दिनों से बेसहारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। सोमवार को सुनीता गुप्ता दवा लेने मेडिकल स्टोर जा रही थीं, तभी कुत्तों ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वह गिरकर घायल हो गईं। इससे पहले रविवार को ननिहाल आए छह साल के एक मासूम पर भी कुत्तों ने हमला कर उसे काट लिया था। लगातार हो रही घटनाओं से इलाके के लोग दहशत में हैं और बच्चों व महिलाओं का घर से निकलना मुश्किल हो गया है।पार्षद ने आरोप लगाया कि कैटल कैचिंग विभाग और नगर निगम के उच्च अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही बेसहारा कुत्तों को पकड़ने और इलाके से हटाने की व्यवस्था नहीं की गई, तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

महाकुंभ मेले के आयोजन में योगदान के लिए पुलिस आयुक्त और जेसीपी क्राइम को मिला सम्मान

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर।महाकुम्भ 2025 के सफल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित आयोजन में उत्कृष्ट योगदान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस आयुक्त और जेसीपी क्राइम को सम्मानित किया है। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) विनोद कुमार सिंह को महाकुम्भ के सफल आयोजन में प्रभावी नेतृत्व, सतत निगरानी एवं सराहनीय प्रशासनिक योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र व मेडल मिला। दोनों अधिकारियों के मार्गदर्शन में कानून-व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था तथा सुरक्षा प्रबंधों का कुशल संचालन सुनिश्चित हुआ। महाकुंभ मेले में विश्व भर से श्रद्धालु प्रयागराज के संगम तट पर शामिल हुए।

सफाई कर्मचारियों का कंबल पहनाकर किया सम्मान

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। नमामि गंगे विभाग भाजपा पर्यावरण सुरक्षा संस्थान द्वारा चलाए जा रहे मिशन मुस्कान निशुल्क कंबल बैंक द्वारा विद्यार्थी परिषद के पूर्व संगठन मंत्री वर्तमान में झारखंड बिहार के भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन माननीय नागेंद्र नाथ के जन्म दिवस पर सफाई कर्मचारी भाइयों को कंबल पहनाकर सम्मानित किया

इस मौके पर बोलते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष पर्यावरण सुरक्षासंस्थान प्रदेश संयोजक नमामि गंगे विभाग भाजपा श्री कृष्णा दीक्षित बड़े जी ने कहा कि नागेंद्र जी हजारों नौजवानों की प्रेरणा स्रोत है, उनके जन्म दिवस के अवसर पर इस भीषण ठंड में प्रातः काल जब लोग अपने घरों से नहीं उठाते हैं तब सफाई कर्मचारी भाई आपकी गंदगी को साफ करके आपको स्वच्छता प्रदान करते हैं।

ऐसे भाइयों को सम्मानित करना खुद के सम्मान की बात है। केडी मिश्रा, अनूप चौधरी अतुल गुप्ता हरि गोपाल भदोरिया, विनय गौड़, मोनू त्रिपाठी भानु सिंह आदि रहे।

सोहनलाल कंपाउंड के सैडलरी कारखाने में लगी भीषण आग, लाखों का नुकसान

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। अनवरगंज थाना क्षेत्र में सोहनलाल कंपाउंड के दूसरे तल पर स्थित सैडलरी कारखाने में भीषण आग लग गई। लपटें देख वहां अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल की छह गाड़ियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सीएफओ ने आग का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट बताया है।मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि सोमवार सुबह कंट्रोल रूम में अनवरगंज के बांसमंडी इलाके में सोहन लाल कम्पाउण्ड में स्थित आसिफ अनवर के लेदर वेयर्स (इंडिया) (सैडलरी वर्क) के द्वितीय तल पर सुबह 11.15 बजे आग लगी होने की सूचना मिली। तेज लपटों और घने धुएं के साथ फैल रही थी। इस पर तत्काल सूचना मिलते ही फजलगंज, कर्नलगंज, लाटूश रोड, जाजमऊ, मीरपुर, पनकी, किदवई नगर से आधा दर्जन से ज्यादा दमकल की गाड़ियों मौके पर पहुंची और वहां से लोगों को काफी दूर कर आग पर करीब दो घंटे बाद पूरी तरह से काबू पा लिया।

उन्होंने बताया कि घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सीएफओ ने बताया कि अग्निशमन टीमों ने चारों ओर से घेराबंदी कर आग बुझाने का कार्य शुरू किया और समय रहते आग को अन्य तलों तथा आसपास के आवासीय और व्यावसायिक क्षेत्रों में फैलने से रोक लिया। समय रहते कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूर्ण रूप से नियंत्रित कर लिया गया। आग से फिलहाल लाखों को नुकसान बताया जा रहा है।

बुलंदशहर दरिंदगी और हत्याकांड में नया मोड़

मैं चीखती रही, गिड़गिड़ाती रही लेकिन उनकी हैवानियत के आगे...

» पिता बोले- जब तक दरिंदों को फांसी नहीं होगी, चैन से नहीं बैठूंगा

ग्रामीणों में गुस्सा, बोले- इज्जत पर हाथ डाला है

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बुलंदशहर। बुलंदशहर के सिकंदराबाद में नारखी के एक गांव की छह साल की मासूम बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना को परिजन और ग्रामीण भूला नहीं पा रहे हैं। शनिवार रात भर पीड़ित परिवार सोया नहीं। पिछले 24 घंटे से बच्ची की मां और पिता ने एक निवाला तक नहीं खाया है। रविवार सुबह तक पीड़ित पिता के आंसू सूख चुके थे, पर सिसकियां थमने का नाम नहीं ले रही थीं। उन्होंने भारी मन से कहा, अब कभी बुलंदशहर नहीं जाऊंगा। अब गांव में ही मजदूरी करूंगा, यहां कम से कम अपनों का साया तो है।

गांव के एक छोटे से घर के आंगन में बैठी मां की हालत भी खराब थी। वह रात भर सोई नहीं थी। पड़ोसियों ने बताया कि मां ने शुक्रवार से अन्न का दाना तक नहीं चखा है। वह बस एक ही बात रट रही है, मेरी बच्ची तो खेलने गई थी, उसे क्या पता था कि ऊपर मौत खड़ी है।

साहब! मेरी आंखों के सामने हो फांसी, तभी कलेजे को मिलेगी ठंडक

मूल रूप से फिरोजाबाद जिले के रहने वाले पीड़ित परिवार के आंसू थम नहीं रहे हैं। बेटी की मौत के बाद मां बेहाल है। वह बार-बार एक ही बात दोहरा रही हैं। साहब, उन्होंने मेरी बच्ची पर रहम नहीं किया, उन्हें भी रहम न मिले। जैसे उन्होंने मेरी आंखों के सामने मेरी फूल-सी बच्ची को नीचे फेंका, वैसे ही उन्हें मेरी आंखों के सामने फांसी के फंदे पर लटकाया जाए। तभी मेरे कलेजे को ठंडक मिलेगी। पिता की हालत भी दयनीय है। वह कहते हैं कि जिस शहर ने उनकी बेटी को निगल लिया, वहां अब कभी नहीं जाएंगे।

20 मिनट तक पीटती रहीं दरवाजा

तीसरी मंजिल पर सन्नाटा पसरा था। वहां मां की नजर एक बंद कमरे पर पड़ी। पड़ोस की एक महिला ने बताया कि कुछ देर पहले बच्ची उसी कमरे के बाहर खेल रही थी। उन्होंने दरवाजा खटखटाया, लेकिन जवाब नहीं मिला। वह लगातार 20 मिनट तक दरवाजे को पीटती रहीं।

भीतर सन्नाटा था, लेकिन दिल कह रहा था कि बेटी इसी खामोशी के पीछे कहीं कैद है। जब पड़ोस के एक युवक की मदद से दरवाजा खुलवाया तो अंदर का नजारा देख सन्न रह गईं। दो युवक बिस्तर पर ऐसे लेटे थे, मानो गहरी नींद में हों। जैसे ही उन्होंने कमरे में घुसकर तलाशी लेनी शुरू की तो आरोपी हड़बड़ी में उठकर खड़े हो गए। उनको रसोई की तरफ जाने से रोकने लगे। तभी आरोपियों के बिस्तर में बेटी की एक चप्पल नजर आई। वह उसे कमरे में ढूंढने लगीं। आरोपी उनको रोक रहे थे। धक्का दे रहे थे। जैसे ही वह किचन की तरफ बढ़ीं, एक दरिंदे ने वहां बेसुध पड़ी मासूम को अपनी गोद में उठा लिया। उसे पकड़ने की कोशिश की तो दूसरे ने जोर से धक्का देकर गिरा दिया।

वह संभलती, इससे पहले ही हैवान ने मासूम को तीसरी मंजिल से नीचे खेत में फेंक दिया। मैं चीखती रही, गिड़गिड़ाती रही लेकिन उनकी हैवानियत के आगे बेबस रह गई। दरिंदों ने मेरी आंखों के सामने मेरी मासूम बच्ची को तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। आसपास के लोग जब तक खेत में पहुंचे, तब तक बच्ची की मौत हो चुकी थी।

पिता बोले- जब तक दरिंदों को फांसी नहीं होगी, चैन से नहीं बैठूंगा

पीड़ित पिता ने कहा कि वह दरिंदों को फांसी के फंदे तक पहुंचाने के लिए आखिरी सांस तक कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। बताया कि हर रोज सुबह 8 बजे काम के लिए फैक्टरी निकल जाते थे। 12 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रात 8 बजे घर लौटते थे। घर लौटने के बाद का समय केवल अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बिताते थे। पिता ने रुंधे गले से बताया, मैं तो सिर्फ अपने काम से काम रखता था। उन दरिंदों का चेहरा तक मैंने कभी गौर से नहीं देखा था।

हम नशे में थे...पकड़े जाने के बाद भी आरोपियों के चेहरे पर कोई पछतावा नहीं था। दोनों बार-बार कहते रहे कि वे नशे में थे और सो रहे थे, इसलिए गेट नहीं खोला। हालांकि, जब पुलिस शनिवार शाम उन्हें न्यायिक हिरासत में ले जाने लगी तो दोनों की पोल खुल गई। वे एक-दूसरे पर बच्ची के साथ गलत काम करने और उसे नीचे फेंकने का आरोप लगाने लगे।

ग्रामीणों में गुस्सा, बोले-इज्जत पर हाथ डाला है

बच्ची के गांव में शनिवार को चूल्हे नहीं जले। हर घर में मातम है और हर चेहरे पर आक्रोश। रविवार को भी यही आलम रहा। यह केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे गांव की इज्जत का सवाल है।आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। गांव का हर व्यक्ति पीड़ित पिता के साथ खड़ा है ताकि उसे कानूनी लड़ाई में अकेलापन महसूस न हो। लोगों का कहना है कि दरिंदों ने मासूमियत का गला घोंटा है, उन्हें चौराहे पर फांसी होनी चाहिए।

कोर्ट में पैरवी की तैयारी

घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। मामला रेयरेस्ट ऑफ रेयर की श्रेणी में आता है। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों बलरामपुर जिले के भगवानपुर स्थित रेहरा बाजार निवासी राजू और लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ निवासी वीरू कश्यप के खिलाफ जांच पूरी कर सख्त से सख्त चार्जशीट तैयार कर न्यायालय में दाखिल की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि आरोपियों को ऐसी सजा दिलाई जाएगी, जो नजीर बनेगी।

ऐसी सजा दिलाई जाएगी, जो नजीर बनेगी- एसएसपी

घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। मामला रेयरेस्ट ऑफ रेयर की श्रेणी में आता है। साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों बलरामपुर जिले के भगवानपुर स्थित रेहरा बाजार निवासी राजू और लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्णनाथ निवासी वीरू कश्यप के खिलाफ जांच पूरी कर सख्त से सख्त चार्जशीट तैयार कर न्यायालय में दाखिल की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि आरोपियों को ऐसी सजा दिलाई जाएगी, जो नजीर बनेगी।-एसएसपी दिनेश सिंह।

झांसी की पहली महिला ऑटो ड्राइवर की मौत, हत्या का शक

स्टेशन-सिविल लाइन रोड पर तड़के मिला शव, पलटा मिला ऑटो, जेवर और मोबाइल गायब

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झांसी। वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की नगरी झांसी में महिलाओं के स्वावलंबन की मिसाल बनीं शहर की पहली महिला ऑटो ड्राइवर अनीता चौधरी की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सोमवार तड़के उसका शव स्टेशनङ्कसिविल लाइन रोड पर एक स्कूल के पास पड़ा मिला, जबकि पास ही उनका ऑटो पलटा हुआ था। अनीता के शरीर से मंगलसूत्र, मोबाइल फोन और अन्य सोने के जेवर गायब थे, जिससे परिजनों ने लूट के बाद हत्या कर शव फेंके जाने का गंभीर आरोप लगाया है।तालपुरा मोहल्ला निवासी 33 वर्षीय अनीता चौधरी अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए खुद ऑटो चलाती थीं। वे झांसी की पहली महिला ऑटो चालक के रूप में जानी जाती थीं और महिला सशक्तिकरण की प्रतीक बन चुकी थीं। आत्मनिर्भरता के लिए उन्हें पूर्व डीआईजी जोगेंद्र कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सम्मानित भी किया जा चुका था।

परिजनों के अनुसार, अनीता रविवार रात करीब नौ बजे ऑटो लेकर घर से निकली थीं। सोमवार तड़के करीब ढाई बजे सिविल लाइन रोड पर उनका शव मिलने की सूचना मिली। शव पर सिर में गहरी चोट के निशान थे और कीमती

सामान गायब था। पति द्वारका प्रसाद का आरोप है कि पहले लूट की गई और फिर हत्या कर इसे सड़क दुर्घटना का रूप देने के लिए ऑटो को पलट दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी प्रीति सिंह, सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम और थाना प्रभारी रवि श्रीवास्तव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है।

एक शिक्षक, तीन ड्यूटी, दो शहर!

अयोध्या के बीएसए की 'मेहरबानी' ने रचा अदृश्य शिक्षा मॉडल

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जनपद अयोध्या के बेसिक शिक्षा विभाग में इन दिनों ऐसे अजब-गजब खेल सामने आ रहे हैं, जो न केवल नियमों की धज्जियां उड़ाते हैं, बल्कि पूरे विभागीय तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। कार्यालयी कर्मचारियों से लेकर आला अधिकारियों तक के कारनामे किसी से छिपे नहीं हैं, लेकिन वर्तमान बीएसए लालचन्द्र के कार्यकाल में तो मानो विशेष कृपा योजना खुलकर चल रही है।

बताया जाता है कि बीएसए लालचन्द्र, जो बीएसए बनने से पहले जनपद के डायट में वरिष्ठ प्रवक्ता रह चुके हैं, अपने पुराने संपर्कों और चहेतों पर खासे मेहरबान हैं। डायट से लेकर बीएसए कार्यालय तक गणेश परिक्रमा करने वाले जुगाड़ू शिक्षकों के तो वारे-न्यारे हैं—दसों उंगलियां घी में और सिर कढ़ाही में।ताजा मामला तारुन विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय घूरीटीकर में तैनात सहायक अध्यापक रुद्र नारायण पाण्डेय से जुड़ा है, जिन्हें बीएसए का बेहद करीबी और चहेता बताया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि एक ही समयावधि में रुद्र नारायण पाण्डेय की तीन अलग-अलग जगहों पर ड्यूटी लगा दी गई और वह भी तीन अलग-अलग आधिकारिक पत्रों के जरिए, जिन पर संबंधित अधिकारियों के हस्ताक्षर मौजूद हैं।

पहला आदेश, बीएसए कार्यालय के पत्रांक रा0प्रबं0/7661-68/2025-26, दिनांक 14-11-2025 के अनुसार, रुद्र नारायण पाण्डेय की ड्यूटी 17-11-2025 से 06-12-2025 तक सेमेस्टर परीक्षा संचालन के लिए राजकीय पॉलिटेक्निक, अयोध्या में लगा दी गई।इसी बीच दूसरा आदेश, पत्रांक स0शि0अ0/प्रशिक्षण/6208-14/2025-26, दिनांक 26-11-2025 जारी हुआ, जिसमें उन्हें 27 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक स्मार्ट क्लासेज व आईसीटी लैब से जुड़े राज्य स्तरीय प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए सीमैट, प्रयागराज भेज दिया गया। इतना ही नहीं, तीसरा आदेश खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय, तारुन द्वारा पत्रांक डायट-प्रशिक्षण/650-52/2025-26, दिनांक 29-11-2025 से जारी हुआ, जिसमें 1 दिसंबर 2025 से डायट, अयोध्या में पांच दिवसीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण में भी उनकी ड्यूटी लगा दी गई।

अब सवाल सीधा और गंभीर है एक ही शिक्षक एक ही समयावधि में अयोध्या और प्रयागराज में तीन जगह कैसे उपस्थित हो सकता है?क्या रुद्र नारायण पाण्डेय के तीन रूप हैं? या फिर बेसिक शिक्षा विभाग ने कोई अदृश्य (इनविजिबल) शिक्षक मॉडल ईजाद कर लिया है? यदि शिक्षक 17 नवंबर से 6 दिसंबर तक पॉलिटेक्निक, अयोध्या में ड्यूटी पर था, तो 27 से 30 नवंबर तक प्रयागराज कैसे पहुंचा? और 1 दिसंबर से डायट, अयोध्या में प्रशिक्षण में कैसे शामिल हुआ, जबकि पॉलिटेक्निक की ड्यूटी 6 दिसंबर तक चल रही थी? यह पूरा मामला न सिर्फ बीएसए कार्यालय की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि नियम-कानून सिर्फ कागजों तक सीमित रह गए हैं। अब देखने वाली बात यह है कि इस तीन ड्यूटी वाले शिक्षकफ्र के मामले में उच्चाधिकारी संज्ञान लेते हैं या फिर फाइलें हमेशा की तरह दबा दी जाएंगी।

33 केवी लाइन के 33 खंभों का तार काटकर कर लिए चोरी

» रुदौली पुलिस ने पकड़ा बिजली तार चोर गिरोह 5 लाख के तार की चोरी का खुलासा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या ।एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने प्रेसवार्ता कर रुदौली क्षेत्र में सक्रिय बिजली तार चोर गिरोह के भंडाफोड़ की जानकारी दी। रुदौली पुलिस ने यूपी पावर कॉरपोरेशन को लगभग 5 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाने वाले इस गिरोह के 5 शातिर चोरों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कोतवाली रुदौली क्षेत्र के मीसा गांव से बिजली आपूर्ति की 33 केवीए लाइन को निशाना बनाते हुए 34 बिजली खंभों में से 33 खंभों का तार काटकर चोरी कर लिया था। घटना के बाद कोतवाली रुदौली में मुकदमा दर्ज किया गया था।

जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान की और सटीक कार्रवाई करते हुए गिरोह को दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 13 बंडल एल्यूमिनियम तार, तीन फेस केबल का एक बंडल, आईटी एबीसी केबल के चार बंडल, तार काटने के उपकरण तथा चोरी का माल ढोने में प्रयुक्त पिकअप वाहन बरामद किया गया है।

पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी अयोध्या और बस्ती जनपद के रहने वाले हैं और सुनियोजित तरीके से बिजली लाइनों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। गिरोह की गिरफ्तारी से क्षेत्र में बिजली चोरी की बड़ी श्रृंखला पर रोक लगने की उम्मीद जताई जा रही है। एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने रुदौली पुलिस टीम की सराहना करते हुए कहा कि जनसुविधाओं से जुड़ी संपत्तियों पर अपराध करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पीडीए प्रहरी सम्मेलन से 2027 चुनाव का शंखनाद

पवन पांडे का ऐलान, जुल्मी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे, अखिलेश यादव बनेंगे मुख्यमंत्री

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या ।अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी का पीडीए प्रहरी सम्मेलन पूरी तरह सियासी तेवरों में नजर आया। सम्मेलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री पवन पांडे ने किया। कार्यक्रम में भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समर्थक जुटे, जिससे आयोजन एक शक्ति प्रदर्शन में तब्दील हो गया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवन पांडे ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में मौजूद हर कार्यकर्ता ने संकल्प लिया है कि भाजपा की कथित अत्याचारी और जुल्मी सरकार को सत्ता से बाहर किया जाएगा और अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

पूर्व मंत्री ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश में हालात बद से बदतर हैं। बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, अपराध बेलगाम हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई आसमान छू रही है, आम आदमी त्रस्त है और थाना, तहसील से लेकर अस्पताल तक भ्रष्टाचार के अड्डे बन चुके हैं। भाजपा सरकार में चारों तरफ अराजकता फैली है और जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही है। सम्मेलन के अंत में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर नारा बुलंद किया कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी।

अयोध्याः विद्या के मंदिर में मंडराया नशे का साया!

» कंपोजिट विद्यालय रामकोट बना शराबियों का अड्डा, प्रशासन मौन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या ।रामनगरी अयोध्या में जहां संस्कार और शिक्षा की मिसाल दी जाती है, वहीं विद्या के मंदिर में अधर्म का खेल सामने आना शिक्षा व्यवस्था पर करारा तमाचा है। वशिष्ठ कुंड वार्ड स्थित कंपोजिट विद्यालय रामकोट के परिसर में शराब की बोतलों का मिलना और अवैध रूप से ई-रिक्शा का खड़ा पाया जाना कोई साधारण लापरवाही नहीं, बल्कि सिस्टम फेलियर की गवाही है।सूत्रों का दावा है कि यह पूरा मामला विद्यालय प्रशासन की जानकारी में था, इसके बावजूद प्रधान अध्यापक द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सवाल यह है कि क्या स्कूल परिसर अब निगरानी से बाहर हो चुके हैं? क्या बच्चों की सुरक्षा और संस्कार अब प्राथमिकता नहीं रहे? मामले को लेकर पार्षद अनिकेत यादव उर्फ राजू ने कड़ी निंदा जताते हुए कहा कि विद्यालय को बदनाम करना और बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि अब तक इस मामले में प्रशासन या शिक्षा विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

मेरे देश की धरती की सोना उगले, उगले हीरे-मोती...

आधुनिक खेती से सालाना 70 लाख का टर्नओवर, 25-30 लोगों को दे रहे रोजगार

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बाराबंकी। कहते हैं कि मजबूत इरादे और मेहनत में ईमानदारी हो, तो मिट्टी भी सोना उगलने लगती है। इस कहावत को साकार कर दिखाया है बाराबंकी जिले के सतीनपुरवा गांव निवासी युवा किसान मोहम्मद सलमान ने। कभी परिवार का पेट पालने के लिए दूसरों के खेतों में मजदूरी करने वाले सलमान आज आधुनिक खेती के दम पर सालाना करीब 70 लाख रुपये का टर्नओवर हासिल कर रहे हैं और 25 से 30 लोगों को नियमित रोजगार भी दे रहे हैं।

सलमान के परिवार में कुल 14 सदस्य हैं। विरासत में उन्हें मात्र दो एकड़ जमीन मिली थी, जिस पर पारंपरिक ढंग से धान और

- करोड़ों की खेती कर बाराबंकी के सलमान ने लिखी नई इबारत
- दो एकड़ से शुरू होकर तय किया 29 एकड़ तक खेती करने का सफर

गेहूं की खेती होती थी। इससे होने वाली आमदनी से घर खर्च, दवाइयों और रोजमर्रा की जरूरतें भी मुश्किल से पूरी हो पाती थीं। आर्थिक तंगी के चलते सलमान को अतिरिक्त आय के लिए दूसरों के खेतों में मजदूरी करनी पड़ती थी, लेकिन उनके मन में कुछ अलग और बड़ा करने का सपना हमेशा जीवित रहा।

साल 2016 में पढ़ाई पूरी करने के बाद

सलमान ने पारंपरिक खेती के ढांचे को तोड़ने का फैसला किया। उन्होंने वैज्ञानिक और आधुनिक पद्धतियों को अपनाते हुए सहफसली खेती (इंटरक्रॉपिंग) शुरू की। अमरूद, पपीता, टमाटर, खरबूजा, तरबूज, खीरा और 'ग्लोरियस' जैसी नकदी फसलों की खेती की शुरुआत की गई। शुरुआती दौर में कई चुनौतियां आईं और मुनाफा सीमित रहा, लेकिन सलमान ने धैर्य और मेहनत के साथ खेती जारी रखी।

अनुभव बढ़ने के साथ मुनाफा भी बढ़ता गया और खेती का दायरा फैलता चला गया। आज सलमान 29 एकड़ भूमि पर आधुनिक तकनीक से खेती कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने अमरूद और पपीते की उन्नत किस्मों के पौधों की नर्सरी भी बड़े स्तर पर विकसित की है।

उनकी नर्सरी की मांग इतनी अधिक है कि प्रदेश के कई जिलों के किसान सीजन से पहले ही एडवांस बुकिंग करा लेते हैं। मोहम्मद सलमान की सफलता की कहानी न सिर्फ किसानों के लिए प्रेरणा है, बल्कि यह भी साबित करती है कि आधुनिक तकनीक और सही सोच के साथ खेती को भी लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सकता है।

नारको आतंकवाद साजिश के मुकदमे का सामना करेंगे मादुरो दंपति

न्यूयार्क की जेल में कटी रात

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय नारको आतंकवाद से जुड़े एक बड़े मामले में वेनेजुएला के राष्ट्रपति दंपति को अब साजिश के मुकदमे का सामना करना होगा। अमेरिकी जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बाद दोनों को न्यूयार्क की एक उच्च सुरक्षा वाली जेल में रखा गया है, जहां उन्होंने बीती रात हिरासत में बिताई।

जांच एजेंसियों के अनुसार मादुरो दंपति पर आरोप है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी के जरिए आतंकी गतिविधियों को वित्तीय सहायता देने की साजिश में शामिल थे। आरोप पत्र में कहा गया है कि इस नेटवर्क के जरिए भारी मात्रा में अवैध धन जुटाकर उसे विभिन्न गैरकानूनी गतिविधियों में लगाया गया।

सूत्रों का कहना है कि यह मामला कई वर्षों की जांच के बाद सामने आया है। जांच

के दौरान वित्तीय लेनदेन, गोपनीय संपर्कों और संदिग्ध सौदों से जुड़े अहम सबूत जुटाए गए हैं। इन्हीं सबूतों के आधार पर अमेरिकी अदालत ने दोनों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। न्यूयार्क की अदालत में पेशी के दौरान अभियोजन पक्ष ने दंपति को हिरासत में रखने की मांग की, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। अभियोजन का तर्क है कि आरोप गंभीर हैं और रिहाई की स्थिति में सबूतों से छेड़छाड़ या फरार होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इस मामले को अंतरराष्ट्रीय नारको आतंकवाद के खिलाफ चल रही मुहिम के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। जांच एजेंसियों का दावा है कि इस कार्रवाई से एक बड़े अवैध नेटवर्क को झटका लगा है, जो कई देशों में सक्रिय था।

अदालत में अगली सुनवाई की तारीख तय कर दी गई है, जहां आरोपों पर विस्तृत बहस होगी। यदि दोष सिद्ध होता है तो मां दुर्गा दंपति को कठोर सजा का सामना करना पड़ सकता है। इस मामले पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भी नजर बनी हुई है, क्योंकि इसका संबंध वैश्विक सुरक्षा और अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ा हुआ है।

एक लाख का इनामी गैंगरेप का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ में एक लाख रुपये का इनामी अपराधी आजम खां उर्फ तालिब ढेर हो गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि 26 वर्षीय आजम किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में इलाके में मौजूद है। इसके बाद सुल्तानपुर और लखीमपुर खीरी पुलिस ने संयुक्त रूप से लंभुआ थाना क्षेत्र के दियरा पुल के पास घेराबंदी की।

पुलिस के मुताबिक, बाइक से आते दिखाई देने पर जब उसे रोकने का प्रयास किया गया तो आजम ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लग गई, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। गंभीर रूप से घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

सुल्तानपुर के एसपी कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि मुठभेड़ में मारा गया अपराधी तालिब उर्फ आजम खां पुत्र गफ्फार खां, लखीमपुर खीरी के फरधान थाना क्षेत्र के

- पुलिस पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई, अस्पताल ले जाते समय मौत

गौरिया गांव का निवासी था। उस पर गैंगरेप समेत कुल 17 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई के बाद मौके से साक्ष्य जुटाए गए हैं और पूरे प्रकरण में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि बीते 100 दिनों में उत्तर प्रदेश में एनकाउंटर में मारा गया यह 15वां बदमाश बताया जा रहा है।

दिल्ली विधानसभा सत्र का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ा, आप के चार विधायक निलंबित

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत सोमवार को भारी हंगामे के साथ हुई। उपराज्यपाल वीके सक्सेना के सदन में पहुंचने पर मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और मंत्रियों ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यवाही शुरू हुई, लेकिन आम आदमी पार्टी के विधायकों के विरोध और नारेबाजी के चलते सदन का माहौल जल्द ही तनावपूर्ण हो गया। स्पीकर के निर्देश पर आप विधायक संजीव झा, कुलदीप कुमार, जरनैल सिंह और सोमदत्त को सदन से बाहर कर दिया गया।

इसके बाद उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने विधानसभा को संबोधित करते हुए दिल्ली सरकार की नीतियों, सुधारों और उपलब्धियों का विस्तृत ब्यौरा पेश किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने पहली बार एक लाख करोड़ रुपये का बजट पारित किया है। प्रशासनिक सुधारों के तहत 75 डिजिटल सेवाएं शुरू की गई हैं और ई-ऑफिस प्रणाली को लागू किया गया है। ईज आफ डूइंग को बढ़ावा देने के लिए व्यापारियों के अनिवार्य पंजीकरण की

- एलजी वीके सक्सेना ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां, एक लाख करोड़ के बजट से लेकर यमुना सफाई तक का जिक्र

21 साल पुरानी व्यवस्था समाप्त कर दी गई है और श्रम संहिताएं लागू की गई हैं।

एलजी ने बताया कि बुनियादी ढांचे पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कैपिटल एक्सपेंडिचर को दोगुना कर 28 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। मेट्रो फेज-4 के लिए 3,300 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। जलभराव की समस्या से निपटने के लिए ड्रेनेज मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। यमुना की सफाई के लिए नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए जा रहे हैं और नालों का गंदा पानी सीधे नदी में गिरने से रोका जा रहा है।

एलजी ने बताया कि पीएम स्वामित्व योजना के तहत दिल्ली में पहली बार लालडोरा क्षेत्रों में रहने वालों को स्वामित्व अधिकार दिए जाएंगे। एलजी के अभिभाषण के बाद दोबारा हंगामा होने पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के प्रस्ताव पर एलजी के भाषण में बाधा डालने वाले चारों आप विधायकों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। इसके बाद सदन की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, विधानसभा परिसर में नेता प्रतिपक्ष आतिशी समेत आप विधायक मास्क पहनकर विरोध प्रदर्शन करते नजर आए।